स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

1. महामारी और राष्ट्रीय आपदाओं के प्रबंधन के लिए प्रयोगशालाओं के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क की स्थापना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
70	1. सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के वायरल रोगजनकों के निदान के लिए प्रयोगशाला के बुनियादी ढांचे का निर्माण और सुदृढ़ीकरण, साक्ष्य संश्लेषण के लिए अनुसंधान और उपकरण/प्रौद्योगिकियों का विकास करना	1.1. स्थापित प्रयोगशालाओं की संख्या	5	1. समय पर और गुणवत्तापूर्ण निदान और प्रशिक्षित वायरल अनुसंधान और नैदानिक पेशेवरों की पूरे भारत में उपलब्धता	1.1. नैदानिक नमूने की प्राप्ति के ≤ 72 घंटे में परिणाम रिपोर्ट करने वाली प्रयोगशालाओं की संख्या	158
		1.2. प्रमुख वायरस का निदान करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के प्रकोपों की जांच करने में सक्षम प्रयोगशालाओं की संख्या	158		1.2. गुणवत्ता मापदंडों के लिए सत्यापित प्रयोगशालाओं की संख्या • बाहरी गुणवत्ता आश्वासन • अंतर प्रयोगशाला नियंत्रण	60
		1.3. परीक्षण किए गए नमूनों की संख्या	3,50,000			
	2. देश भर में उभरते और फिर से उभरने वाले वायरस के प्रकोप/महामारी के प्रबंधन और जांच के लिए क्षमता निर्माण	2.1. वायरल डायग्नोस्टिक और अनुसंधान में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों की संख्या	300	2. रोग विशिष्ट निगरानी/अनुसंधान अध्ययन स्थापित करना	2.1. नेटवर्क से उत्पन्न और पबमेड सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित प्रकाशनों की संख्या	150

2. मानव संसाधन और क्षमता विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
152	क. स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए मानव संसाधन विकास					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
	1. स्वास्थ्य अनुसंधान में मानव संसाधन का विकास	1.1. प्रदान की गई कुल फैलोशिप की संख्या	3,100	1. स्वास्थ्य अनुसंधान क्षेत्र में अत्यधिक कुशल जनशक्ति का सृजन	1.1. समर्थित संस्थानों द्वारा प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या	500
		1.2. महिला वैज्ञानिकों को प्रदान की गई फेलोशिप की संख्या	30		1.2. समर्थित संस्थानों द्वारा प्रशिक्षित महिलाओं की संख्या	250
		1.3. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण प्रदान करने के लिए सहायता प्राप्त संस्थानों की संख्या	05		1.3. सहकर्मी समीक्षित इंडेक्स्ड पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध लेखों की संख्या	100
		1.4. जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	20			
	ख. स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने और मार्गदर्शन के लिए अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण और समन्वय के लिए अनुदान सहायता योजनाएं (जीआईए)					
	1. स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए अनुकूल वातावरण बनाना	1.1. वित्त पोषित/समर्थित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	50	1. क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्रों में मानव संसाधनों का प्रशिक्षण, प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं पर सहायता प्राप्त परियोजनाएं, नए उत्पाद/प्रक्रिया/नैदानिक किट/प्रौद्योगिकी आदि का विकास।	1.1. शोध पत्र प्रकाशित/प्रस्तुत या नए नैदानिक रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रासंगिक ज्ञान उत्पन्न	32
		1.2. पूर्ण की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	32			
		1.3. प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	100		1.2. सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोग के लिए लीड/प्रोटोकॉल/उपकरणों के दिशा-निर्देश विकसित या पेटेंट/उत्पादों/प्रक्रिया में परिवर्तित किए गए	3
	ग. डीएचआर-आईसीएमआर एडवांस्ड मॉलिक्यूलर ऑन्कोलॉजी डायग्नोस्टिक सर्विसेज (डायमंड्स) और अनुसंधान					
	1. कैंसर डायग्नोस्टिक्स (डायमंड्स) के क्षेत्र में आणविक प्रयोगशालाओं की	1.1. स्थापित डायमंड्स केंद्रों की संख्या	3	1. फेफड़े और स्तन कैंसर के लिए बायोमार्कर	1.1. स्तन और फेफड़े के कैंसर के लिए परीक्षण किए गए रोगियों की संख्या	3,500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
	स्थापना और मानव संसाधनों का प्रशिक्षण	1.2. प्रशिक्षित कर्मियों की संख्या	70	आधारित उपचार को सक्षम करना	1.2. सटीक बायोमार्कर-आधारित उपचार से गुजरने वाले मरीजों की संख्या	500

3. पीएम-एबीएचआईएम जैव सुरक्षा तत्परता और महामारी अनुसंधान तथा वन हेल्थ के लिए बहु क्षेत्र, राष्ट्रीय संस्थानों और प्लेटफार्मों को मजबूत करना। (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
351.06	1. जैव-सुरक्षा तैयारियों को बढ़ाने के लिए बीएसएल 3 प्रयोगशालाओं की स्थापना और मौजूदा वायरल रिसर्च डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाओं (वीआरडीएल) को मजबूत करना	1.1. बीएसएल-3 में अपग्रेड किए गए वीआरडीएल की संख्या	3	1. समय पर और गुणवत्तापूर्ण निदान और प्रशिक्षित संक्रामक रोग अनुसंधान और नैदानिक पेशेवरों की अखिल भारतीय उपलब्धता	1.1. नैदानिक नमूने की प्राप्ति के टर्नअराउंड समय के भीतर परिणाम रिपोर्ट करने वाली प्रयोगशालाओं की संख्या	6
		1.2. संक्रामक रोग अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशालाओं (आईआरडीएल) के लिए सुदृढ़ वीआरडीएल प्रयोगशालाओं की संख्या	10		1.2. गुणवत्ता मापदंडों के लिए सत्यापित प्रयोगशालाएं	6
	2. डिब्रूगढ़, बेंगलुरु, जबलपुर और जम्मू में 4 क्षेत्रीय राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) की स्थापना	2.1. भौतिक अवसंरचना के पूरा होने का संचयी प्रतिशत (%में)	70			
	3. महामारी संबंधी बीमारियों के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास	3.1. विकसित/समर्थित नई प्रौद्योगिकियों की संख्या	4	2. प्रौद्योगिकियों के सत्यापन और	2.1. सत्यापन के लिए तैयार नई प्रौद्योगिकियों का विकास/समर्थन	4

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
	के लिए MDMS को सहायता	3.2. आयोजित कार्यशालाओं/ प्रशिक्षण की संख्या	5	उपयोग के लिए स्वदेशी चिकित्सा उपकरण और नैदानिक प्रौद्योगिकियां विकसित की गईं।		
		3.3. नियामक आवश्यकताओं के अनुसार क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	60			

4. स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए अवसंरचना का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
171.35	**क. मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई**					
	1. एमआरएचआरयू का संचालन	1.1. एमआरएचआरयू में स्थानीय अनुसंधान सलाहकार समिति (एलआरएसी) द्वारा अनुमोदित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	70	1. एमआरएचआरयू की स्थापना का प्रभाव	1.1. एमआरएचआरयू में पूरे किए गए अनुसंधान अध्ययनों की संख्या	30
		1.2. आवश्यक निधि प्राप्त करने वाली अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	35		1.2. एमआरएचआरयू से शोध प्रकाशनों की संख्या	15
		1.3. शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	17		1.3. परियोजनाओं की संख्या जो नैदानिक अभ्यास या नीति परिवर्तन या प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की ओर ले जाती हैं	01
	ख. मेडिकल कॉलेज में बहु-विषयक अनुसंधान इकाई					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
	1. एमआरयू का संचालन	1.1. एमआरयू में स्थानीय अनुसंधान सलाहकार समिति (एलआरएसी) द्वारा अनुमोदित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	500	1. एमआरयू की स्थापना के परिणाम/प्रभाव	1.1. एमआरयू में पूरे किए गए शोध अध्ययनों की संख्या	300
		1.2. आवश्यक निधि प्राप्त करने वाली अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	350		1.2. अनुसंधान की संख्या एमआरयू से प्रकाशन	150
		1.3. शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	300		1.1. एमआरयू द्वारा अनुसंधान के परिणामस्वरूप विकसित नई प्रौद्योगिकियों / दिशानिर्देशों / प्रक्रियाओं / पेटेंटों की संख्या	2

5. भारत में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन (एचटीएआईएन) (सीएस)[1]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
25	1. स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए वातावरण को अनुकूल बनाना	1.1. स्थापित संसाधन केंद्रों की संख्या	4	1. स्वास्थ्य को प्राथमिक बनाना, स्वास्थ्य देखभाल	1.1. स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन (एचटीए) द्वारा जारी साक्ष्य-आधारित नीतियों की संख्या	30

[1] *व्यय विभाग को प्रस्तुत किया जाने वाला प्रस्ताव*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
		1.2. राज्य और केंद्र सरकारों से प्राप्त विषयों की संख्या	70	हस्तक्षेप और प्रौद्योगिकियों के माध्यम से ओओपी खर्चों और असमानता को कम करना	1.2. दिशा-निर्देशों, कार्यक्रम में प्रौद्योगिकी के उपयोग और उपकरणों/किटों/प्रौद्योगिकियों की खरीद के लिए उपयोगकर्ता एजेंसियों द्वारा उपयोग की जाने वाली नीति संबंधी जानकारी	15
		1.3. प्रशिक्षित कर्मियों की संख्या	100			